सं श्रो वि वि । एफ बी । 204-87 | 39957. — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं आहिती सिल्क मिल्ज, प्रा० लिं०, 13/7, मयुरा रोड, फरीदाबाद के श्रमिक श्री इन्द्र कान्त झा, पुत्र श्री जूत नन्दन झा मार्फत हिन्द मजदूर सभा, 29, शहीद नौक, फरीदाबाद तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रब, श्रोद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की घारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रधिनियम की घारा 7 के श्रधीन गठित श्रीद्योगिक श्रिष्करण, हरियाणा, फरोदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादशस्त मामला है श्रयवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री इन्द्र कान्त झा की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं ग्रो वि । (एफ बी । (207-87/39966. चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं । एनकोन इण्डस्ट्रीयल कारपोर शन, 14/3, मथुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक थी सुरेश कुमार शर्मा, पुत श्री मुरली धर शर्मा, मकान नं । 1-जे / 102, एन श्राई बटी , फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, भव, भौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रीद्योगिक श्रिक्षिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादगस्त मामला है श्रयवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है स्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते: हैं——

क्या श्री सुरेश कुमार शर्मा की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० थ्रो० वि०/एफ०डी०/198-87/39973 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० साहनी सिल्क मिल्ज प्रा० लि०, मयुरा रोड़, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राधे श्याम, पुत्र श्री ग्रति नन्दन पाठक मार्फत हिन्द मजदूर सभा, 29, शहीद चौक फरीदाबाद, तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यकाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

क्या श्री राधे श्याम की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार हैं ?

सं ब्रो॰ वि॰/एफ॰डी॰/गुड़गांव/157-87/39980.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) उप-कुलपंति, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार (2) हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ब्रांच बावल (महेन्द्रगढ़), के श्रमिक श्री मांगे राम मार्फत श्री श्रदानन्द गुड़गांव फैक्ट्री यूनियन (एटक) गुड़गांव तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भीद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिगाँय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, श्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उवत श्रधिनियम की धारा 7-क के श्रधीन गठित श्रौद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरोदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के वीच या तो जिवादग्रहत मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं ---

च्या श्री मांगे रांम, सिकियोरटी गार्ड/बेलदार की सेवा समाध्य की गई है या उसने स्वयं काम से गैरहालिंग होकर लियन खोया है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

सं क्यों विविश्वाव | 158-87 | 39988. — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) उप-कुलपित, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हांच वावल (महेन्द्रगढ़) के श्रीमक श्री लखन लाल मार्फत श्री श्रद्धानन्द गुड़गांव फैक्ट्री धूनियन (ऐटक) गुड़गांव तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित भामले के सम्बन्ध में कोई पौदयोगिक विवाद है;

भीर पूकि हरियाणा के राज्यपाल इस विकाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बाउनीय समझते हैं;

इस लिए, प्रव, फ्रींद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों ना प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उन्त प्रधिनियम की धारा 7क के प्रधीन गिन्दित प्रौद्योगिक प्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जोकि उन्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के दीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं प्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट कीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री लखनलाल, बेलदार की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं काम से मैरहाजिर हो कर लियन खोया है? इस बिन्दू पर निर्णय के फलस्वरूप यह किस राहत का हकदार है ?

सं ग्रो॰ वि॰/गृड़गांव/162-87/39996. चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) उप-कुलबित, हरियाणा कृषि विश्यविद्यालय, हिसार (2) हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ब्रांच बाबत (महेन्द्रगढ़) के श्रमिक श्री ग्रभय सिंह भाफीत श्री श्रद्धानन्द गुड़गांव फैक्ट्री यूनियन (ऐटक) गुढ़गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ु ग्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बाछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रन, क्रोडोशिक बिन्नाद ग्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवान की गई शिवतियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपान इस के द्वारा उस्त ग्रिधिनियम की धारा 7क के अधीन गरित श्रीदोशिक श्रिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विगिदिष्ट मामले जो कि उनत प्रवन्धकों बथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं न्यायनिर्णन एवं चेचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:---

क्या श्रो क्रभय मिह. हैल्पर की सेवा समाप्त को गई है या उसने स्वयं कामसे गैंग्हाजिर हो कर लियन खोया है? इस बिस्दु पर निर्णय के फलस्यरूप वह किस राहत का हकदार है?

सं भो वि । जिप कुलपित हिस्याणा के राज्यपाल की राय है कि (1) उप कुलपित हिस्याणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, (2) हिर्याणा कृषि विश्वविद्यालय वांच, वावल (महेन्द्रगढ़) के श्रीमक श्री लाल सिंह मार्फत श्री श्रद्धानन्द, गुड़गांव फैनट्रो यूनियन, (ऐटक), गुड़गांव तथा प्रवन्धयों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रोक्योंिक विवाद है;

श्रीर चुकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतुं निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रंब, श्रोद्योगिक विवाद श्रिष्टिनयम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) है।रा प्रदान की प्रदे शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाया के राज्यपाल इसके हारा उक्त श्रिष्टितयम की धारा 7क के अधीन गठित श्रीद्योगिक पिक्षकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त स्. गला/मामले हैं श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामलेहैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री लाल सिंह, ट्यूबबेल ग्राप्रेटर की सेवा समास्त की गई हैं या उसने स्वयं कामसे गैर-हाजिर होकर लियन खोया है ? इस बिन्दुपर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?